नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

विधान मंडल में सिर्फ हंगामा नहीं साल भर होता है काम - अरविंद कुमार सिंह

वर्धा, 19 सितंबर। विधानमंडलों में सिर्फ हंगामा ही नहीं होता बल्कि वहां वर्ष भर निरंतर कार्य होता है। जब सदन सत्र

नहीं चल रहा होता तो वह अपनी कमेटियों के माध्यम से काम करता है। यह हमारे लोकतंत्र को समृद्ध करने वाली

संस्था है और इसकी कार्यप्रणाली की जानकारी देना मीडिया का दायित्व है। यह बात रविवार को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग में आयोजित मीडिया कार्यशाला में राज्यसभा टीवी के संसदीय मामलों के प्रमुख अरविंद कुमार सिंह ने कही।

श्री सिंह ने कहा कि संसदीय मामलों को रिपोर्ट करना चुनौतीपूर्ण काम तो है लेकिन रोमांचकारी भी है। वह हमें

लोकतंत्र की कार्यप्रणाली को जानने-समझने का मौका तो देता है साथ ही देश के विभिन्न विषयों की प्रामाणिक और

रोचक जानकारी भी देता है। अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि स्त्री विषयक समिति की रिपोर्ट को पढ़कर यह पता चलता है कि किस तरह पुलिस और सेना में महिलाओं की नौकरियों की शर्तों को सुधारने के लिए हमारे सांसद संवाद करते हैं। उन्होंने रेलवे की संसदीय समिति के उस सुझाव का उल्लेख किया जिसकी सिफारिश के आधार पर जौनपुर जिले में

अंग्रेजी जमाने की एक रेल लाइन को फिर से चालू किया गया। अरविंद कुमार सिंह ने समुद्र के किनारे बने लाइट हाउसों का उल्लेख करते हुए बताया कि जब सीताराम येचुरी की समिति ने लाइट हाउसों के कर्मचारियों को बुलाया तो वे भावुक होकर रोने लगे और उन्होंने कहा कि देखिए साहब आजादी के बाद पहली बार किसी ने हमारी सुध ली है।

वरिष्ठ पत्रकार श्री सिंह ने बताया कि राज्यसभा चैनल विज्ञापन और टीआरपी की चिंता किए बिना इस लोकतंत्र की सेवा करता है और यही समाचार माध्यमों को कर्तव्य है। उन्होंने विदर्भ के सूखे की रिपोर्टिंग के दौरान हुए अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि वर्धा ऐसी जगह है जहां भारत निर्माण की प्रमुख विचारधाराओं का जन्म हुआ और आज भी उनका प्रभाव देखा जा सकता है। इसलिए इस विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले छात्र सौभाग्यशाली हैं जो भारत की प्रमुख विचारधाराओं की उद्गम स्थली को प्रत्यक्ष तौर पर देख सकते हैं। उन्होंने पत्रकारिता के छात्रों से कहा कि लगातार घूमना और प्राथमिक साक्ष्य को देखना और जुटाना पत्रकारिता के लिए जरूरी है।

इस मौके पर राज्यसभा टीवी के सरोकार कार्यक्रम के प्रभारी अनुग्रह मिश्रा, कैमरामैन राज ठाकुर और नारायण सिंह ने भी अपनी बात रखी और छात्रों के कई व्यावहारिक प्रश्नों का जवाब दिया। उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रानिक माध्यमों में विजुअल का बेहद महत्त्व है। वहां शब्द नहीं चित्र बोलते हैं। जनसंचार विभाग के अध्यक्ष डा कृपाशंकर चौबे ने अरविंद कुमार सिंह का परिचय देते हुए कहा कि अयोध्या विवादः एक रिपोर्टर की डायरी, भारतीय डाकः सदियों का सफरनामा, डाक टिकट में भारत दर्शन जैसी पुस्तकों के लेखक कुमार सिंह ने प्रिंट और इलेक्ट्रानिक माध्यम में समान गति बनाई है। उनसे बातचीत करना एक पूरे कालखंड के दर्शन करने जैसा है। इस मौके पर विभाग के प्रोफेसर एडजंक्ट अरुण कुमार त्रिपाठी ने स्मृति चिह्न भेंट कर,व्याकरण अनुषंगी डा. श्रीरमण मिश्र ने शाल ओढ़ा कर सहायक कुलसचिव राजेश अरोड़ा और अनुभाग अधिकारी कमल शर्मा ने सूत की माला पहनाकर राज्यसभा टीवी टीम का सम्मान किया।दो घंटे से ज्यादा समय तक चली कार्यशाला के उपरांत श्रीरमण मिश्र और सेरा यात्री के सहसंपादन में प्रकाशित `चिट्ठियों की दुनिया' श्री मिश्र ने अरविंद कुमार सिंह को और अरविंद कुमार सिंह ने राज्य सभा टीवी के लिए श्याम बेनगेल व्दारा बनाए गए `संविधान' धारावाहिक की सीडी डा कृपाशंकर चौबे को भेंट की।